विचार बिन्दु

सच्चा पड़ौसी वह नहीं जो तुम्हारे साथ उसी गली में रहता है बल्कि वह है जो तुम्हारे विचार स्तर पर रहता है। –रामतीर्थ

मानवता की सफलता सामूहिक शक्ति में है, युद्ध के मैदान में नहीं - पीएम मोदी

भारत का अपना संविधान है, जिसे भारत के लोगों द्वारा बनाया गया है और स्वयं को समर्पित किया। इसे संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकार किया गया। यह संविधान 26 जनवरी, 1950 से पूर्ण रूपेण लागू हुआ। भारत एक गणराज्य है। यह विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।

भारत में सन् 1951-52 को पहली बार आम चुनाव हुये थे। लोकसभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराये गये थे। सन् 1967 में राज्य की विधान सभायें भंग हुई थीं, उस समय तक यह व्यवस्था रही। एक देश-एक चुनाव होता रहा। 1967 के बाद अब यह स्थिति पैदा हो गई है कि देश में लोकसभा और विधान सभा के चुनाव कभी भी होते रहते हैं। हमारे देश में पंचायतों व लोकसभा आदि का कार्यकाल 5 वर्ष का है। कभी भी चुनाव होने के फलस्वरूप देश का विकास रूक जाता है। शासन पर भी भारी दवाब बढ जाता है। चुनाव के दौरान सरकारें अपनी नई योजनाओं की घोषणा नहीं कर पाती हैं। चुनावों का खर्चा भी बढ जाता है। व्यवस्थायें ढ़ीली पड जाती हैं। राजनीतिक गतिविधियां उलझ जाती हैं। नेतागण अपने क्षेत्र में काम न कर, चुनाव क्षेत्र में दिखाई देते हैं। व्यवस्थायें शिथिल हो जाती हैं। दुर्भाग्य है आपसी कटुता गहरी हो जाती है। समरसता खो जाती है।

कई वर्षों से इस ओर सुधार के कदम उठाने की बातें उठती हैं और सुधार न होकर अव्यवस्थायें अधिक पनप रही हैं।

वर्तमान में राजनीति में कटुता बढ रही है। नेतागण एक दूसरे की शक्ल नहीं देखना चाहते। सभी नेतागण यह तो मानते हैं कि चुनाव सुधारों की दिशा में कुछ योजनायें बनायें। खर्चा कम करने व समय की बरबादी को रोकें; किन्तु स्थिति बिगडती जा रही है।

विशेषतौर पर कांग्रेस व बीजेपी के मध्य जो अविश्वास की लकीरें खिंच रही हैं, वे बढती जा रही हैं। मोदीजी व राहुलजी के मध्य संबंध इतने कटु हो चुके हैं कि मोदीजी की प्रत्येक बात को, कार्य को, योजना को राहुलजी नकारते दिखाई देते हैं।

देश की राजनीति हरियाणा व जम्मू कश्मीर के चुनावों में फंसी हुई है और इसी समय वन नेशन वन इलेक्शन का नारा भाजपा ने दे दिया। दूसरी ओर राहुलजी ने जाति जनगणना कराने को आरक्षण के लिये आवश्यक एजेण्डा निर्धारित कर दिया है।

केन्द्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक देश एक चुनाव की समस्या को हल करने के हेतु एक कमेटी बनाई थी। उस कमेटी ने अपनी सिफारिशों के साथ रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को सौंपी है। इसके अनुसार दो चरणों में सन 2029 तक इन सिफारिशों को लागू किया जावेगा। पहले चरण में लोकसभा व विधान सभाओं के चुनाव एक साथ होंगे और दूसरे चरण में 100 दिन के भीतन पंचायतों के व नगरपालिकाओं के चुनाव कराना प्रस्तावित है।

यह माना जाता है सन 2029 में सभी चुनाव एक साथ सम्पन्न होंगे। सभी चुनावों के लिये एक ही वोटर लिस्ट काम में ली जावेगी।

सरकार की मंशा है कि शीतकालीन सत्र में इस पर अमल प्रारम्भ हो जाये। सरकार का प्रयास होगा कि एक देश एक चुनाव के लिये सर्व सम्मति बनाई जावे। सभी पक्षों से वार्ता होगी। सरकार ने घोषणा की है कि एक क्रियान्वयन कमेटी का गठन भी किया जावेगा।

वन नेशन वन इलेक्शन के महत्व को समझने के लिये हमें पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की रिपोर्ट के महत्व को समझना होगा। श्री रामनाथ कोविंद यशस्वी देश के राष्ट्रपति रहे और गतिशीलता के साथ उन्होंने अपने दायित्व को निभाया। वे एक अच्छे एडवोकेट भी रहे हैं उन्हें संविधान की पूरी जानकारी है। उनकी अध्यक्षता में गठित कमेटी में भी देश के प्रसिद्ध बुद्धिजीवी थे। सभी राजनीतिक पार्टियों को वार्ता का अवसर दिया गया था। 47 राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने अपने विचार साझा किये थे। 15 राजनीतिक पार्टियों को छोड़कर शेष 32 ने एक राष्ट्र एक चुनाव के कार्यक्रम को समर्थन दिया था। देश के प्रसिद्ध संविधान विशेषज्ञों ने, जिनमें श्री सुभाष कश्यप व श्री हरीश साल्वे ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये थे। कमेटी के अन्य सदस्य थे गृहमंत्री श्री अमित शाह, श्री गुलाव नवी आजद, श्री संजय कोठारी आदि थे। आमंत्रित सदस्यों में श्री अर्जुन मेघवाल व डा. नितिन चन्द भी थे। लगभग 191 दिनों में कमेटी ने अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। रिपोर्ट 18626 पृष्ठों की है।

देश का शासन इस समय दृढ़ संकल्प और दृढ़ निर्णय लेने वाले प्रधानमंत्री मोदी के हाथ में है, जो कई बार परीक्षा में पास हो चुके हैं। चाहे वह नोटबंदी की हो अथवा कोरोना या सर्जिकल स्ट्राइक की अथवा अनुच्छेद 370 की समाप्ति का। इरादे बुलंद हों तो उन्नति के शिखर पर पहुंचना कठिन नहीं है। एक देश-एक चुनाव की प्रक्रिया एक क्रान्तिकारी कदम है जो भारत को विकास की ऊँची चोटी पर पहुंचायेगा।

एक देश-एक चुनाव का अधिकांश लोगों ने समर्थन किया था। विरोध करने वाली पार्टियों में मुख्य थे समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस आदि। मल्लिकार्जुन खडगे कांग्रेस अध्यक्ष ने एक देश-एक चुनाव को सर्वथा अव्यवहारिक कहा है। उन्होंने इस संविधान व संघवाद के विरूद्ध माना है।

समर्थन करने वालों ने न केवल साथ साथ चुनावों का समर्थन किया, अपितु संसाधनों की बचत होने का उल्लेख किया। इनका मत था कि साथ साथ चुनावों से सामाजिक तालमेल, समरसता को बल मिलेगा, आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इन लोगों ने विकल्प अपनाने की पुरजोर अपील की और वकालत भी की।

एक देश-एक चुनाव के विकल्प का विरोध भी हुआ। विरोध करने वालों का कहना था कि इसे अपनाने से संविधान की मूल संरचना खण्डित होगी। यह व्यवस्था राष्ट्रपति शासन की ओर ले जायेगी। इस व्यवस्था को वे अलोकतांत्रिक मानते हैं। ओवेसी ने कहा इसके फायदे भी हैं, नुकसान भी।

सब पार्टियों ने स्वीकार किया है कि सन् 1951-52, 1957, 1962 व 1967 में जो चुनाव हुये उस समय लोकसभा व विधान सभा चुनावों की मतदाता सूची एक थी।

कमेटी की सिफारिश है कि (1) पहले हर दस साल में दो चुनाव होते थे; अत: व्यवस्था की दृष्टि से, विकास को गति देने हेतु एक देश-एक चुनाव उचित विकल्प है। (2) चुनाव दो चरणों में हो। (3) एक मतदाता सूची व पहिचान पत्र बने (4) संविधान में आवश्यक संशोधन हों। (5) पांच वर्ष में चुनाव होने से सरकार प्रत्येक वर्ष आलोचना से बचेगी और अधिक सक्रियता से अपना कार्य व देश का विकास करेगी (6) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की है कि एक देश-एक चुनाव लोकतंत्र की मजबूती और विविधता की ओर बढ़ाया गया, बडा कदम है। (7) लोकसभा और राज्यों के चुनाव एक साथ कराने के लिये राज्यों के समर्थन की आवश्यकता नहीं है। अनुच्छेद 83 (संसद की अवधि) अनुच्छेद 172 राज्य विधान मंडलों की अवधि में संशोधन करना होगा नया संशोधन 82क लाया लावेगा और इस हेतु बिल प्रस्तुत करना होगा। यह कार्य बिना राज्यों की सहमति के होगा।

कुछ राजनीतिक पार्टियों का कथन है कि एक देश-एक चुनाव में खर्चा बहुत बढ जावेगा। एक चुनाव में 26 लाख ईवीएम भी कम पडेंगे। वेयर हाउस की समस्या की किल्लत परेशान करने वाली है। पोलिंग बूथों की संख्या लोकसभा के लिये चुनावों में सन् 2024 में 12 लाख थी अब 2029 में यह संख्या 13 लाख 47 हजार से अधिक होगी विधानसभा के यदि साथ-साथ चुनाव हुये तो यह संख्या और भी अधिक हो जावेगी। एक अनुमान के हिसाब से 7951 करोड का अतिरिक्त भार आयेगा।

पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने एक देश-एक चुनाव की महत्ता को अपनी रिपोर्ट में माना है। कानूनानुसार कार्यवाही करने में जो भी खर्चा आयेगा, उसे बहन तो करना ही होगा। देश अपने यान का चांद की सतह पर भेजने का खर्चा उठा रहा है, इसके खर्चे को भी वहन करेगा। देश सिर ऊँचा कर जीना जानता है। इसके किसी को शक करने की गुंजायश नहीं है, भारत विकास और उन्नति के मार्ग पर है।

देश का शासन इस समय दृढ़ संकल्प और दृढ़ निर्णय लेने वाले प्रधानमंत्री मोदी के हाथ में है, जो कई बार परीक्षा में पास हो चुके हैं। चाहे वह नोटबंदी की हो अथवा कोरोना या सर्जिकल स्ट्राइक की अथवा अनुच्छेद 370 की समाप्ति का। इरादे बुलंद हों तो उन्नति के शिखर पर पहुंचना कठिन नहीं है।

एक देश-एक चुनाव की प्रक्रिया एक क्रान्तिकारी कदम है जो भारत को विकास की ऊँची चोटी पर पहुंचायेगा। अमरीका, फ्रान्स, स्वीडन, साउथ अफ्रीका, फिलिपिन्स आदि देशों में सभी स्तर पर एक साथ चुनाव होते हैं।

पंचतंत्र की एक कहानी से अपनी बात समाप्त करना चाहूँगा। देश के जंगल में सभी प्रकार के जानवर थे। शेर, हाथी, घोड़ा, ऊंट, गधा आदि। शेर जंगल का राजा शेर था। सभी जानवर शेर को बहुत इज्जत देते थे। यह भी सच था कि ऊँट सबसे कुरूप जानवर था और गधा आवाज सें कर्कश। ऊँट व गधे को अन्य जानवर अपने पास भी नहीं बिठाना पसन्द करते। सब शेर के गीत गाते थे। यह बात ऊँट व गधे को पसन्द नहीं थी। एक दिन उन्होंने यह निर्णय लिया कि जब कोई हमसे बात नहीं करता है तो हम तो एक दूसरे को महिमा मंडप कर सकते हैं। उन्होंने निर्णय लिया कि जब भी कोई शेर पक्ष के जानवर हमारे पास आवे तो हम दूसरे की प्रशंसा प्रारम्भ कर दें। ऊँट ने गधे से कहा तुम मेरे लिये कहना 'अहोरूपम' और मैं तुम्हारी आवाज सुनकर कहूँगा 'अहोध्वनि'। आज विपक्ष के नेताओं के चाहने वाले अपने ही लोगों के लिये 'अहोरूपम', 'अहोध्वनि' की वाणी बुलन्द कर रहे हैं। शासन पक्ष यह जानते हुये कि उनके पास पर्याप्त मत नहीं है, फिर भी एक देश-एक चुनाव का नारा बुलन्दगी से कर रहे हैं क्योंकि यह विकल्प देश के विकास के लिये, देश की एकता और अखण्डता के लिये परम आवश्यक है। मोदी जैसा विश्व नेता ही है जो यूएन में सिर ऊँचा कर गर्व के साथ कह सकता है, **Success of humanity does not lie in battle field** हम उस देश के लोग हैं जहां गंगा बहती है। 'अहोरूपम-अहोध्वनि' हमारी संस्कृति नहीं है। देश का विकास हमारी पहली पसंद है।

'एक देश-एक चुनाव' हमारा लक्ष्य है।

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

"डिजिटल अरेस्ट" की बढ़ती घटनाओं का खौफ और बेपरवाह मोबाइलधारक

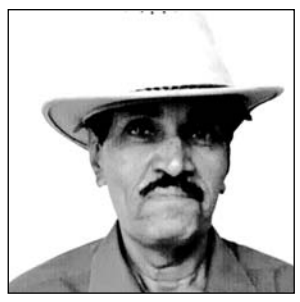

मिश्रीलाल पंवार

बदलते टैक्निकल दौर में मोबाइल एक तरफ आदमी की पहली प्राथमिकता बन गई है,वहीं इसके द्वारा साइबर माफिया खूब फल-फूलने लगा है। लोग इस खतरे से बेपरवाह है। परिणाम यह होता है कि वह साइबर फ्राड का आसानी से शिकार हो जाता हैं। इस बदलते आधुनिक युग में आम जनजीवन पर डिजिटलाइजेशन का खास प्रभाव है।डिजिटलाइजेशन की वजह से अब साइबर ठग भी दिन-प्रतिदिन हाईटेक होते जा रहे हैं। साइबर ठग हर दिन नए-नए तरीकों से ठगी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में इन दिनों साइबर ठगी का एक नया तरीका 'डिजिटल अरेस्ट' सामने आया है। डिजिटल अरेस्ट एक ऐसा शब्द है जो कानून में नहीं है। लेकिन, अपराधियों के इस तरह के बढ़ते अपराध की वजह से इसका नामकरण हुआ है।

जोधपुर में पिछले कुछ दिनों से 'डिजिटल अरेस्ट' की हो रही घटनाओ ने लोगों का ध्यान इस तरफ खींचा है। अत्यंत चिंताजनक बात यह है कि लोग देख-सुन कर भी लापरवाही बरत रहे है। आश्चर्यजनक तो यह है कि इन घटनाओं का शिकार होने वाले हाई-फाई सोसायटी के लोग हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामले इन दिनों तेजी से बढ़ रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट के जरिए साइबर ठग आसानी से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। जोधपुर में इसी माह तीन पढ़ी-लिखी महिलाएं इसका शिकार हो चुकी हैं।

साइबर ठगी का पहला मामला पिछले दिनों सामने आया था। ठग ने एक आईटीआई महिला प्रोफेसर को डिजिटल अरेस्ट कर उससे 13 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपी साइबर ठग ने पकड़ा महिला प्रोफेसर को मनी लॉन्ड्रिंग में आरोपी बताकर और खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का बड़ा अधिकारी बात कर इतना डराया कि उसने उसकी हर बात माननी शुरू कर दी। उसके बाद उन्होंने आरटीजीएस और चेक के जरिये करीब 13 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दे दिया। इसके एक सप्ताह बाद ही साइबर अपराधियों ने जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज की सेवा निवृत्त प्रोफेसर को निशाना बनाया । इस सेवा निवृत्त महिला प्रोफेसर को लगभग 14 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर उसके खाते से 87 लाख से अधिक की रकम हड़प ली है। पीड़ित महिला डॉक्टर को शातिरों ने कस्टम विभाग के अधिकारी बनकर बात की और पार्सल में ड्रग्स और फर्जी एटीएम कार्ड होने की जानकारी देते हुए 87 लाख रूपए खातों में डलवा दिए।

सेवानिवृत महिला डॉक्टर अरूणा सोलंकी ने बताया कि 31 जुलाई को उनके मोबाइल पर किसी शख्स प्रमोद कुमार का वाट्सअप कॉल आया था और खुद को मुंबई कस्टम विभाग का अधिकारी बताया। उसने कहा कि उनके द्वारा ग्लोबल इंटरनेशनल को एक पार्सल भेजा गया था जिसमें ड्रग्स, फर्जी एटीएम कार्ड और अन्य सामान भेजा गया है। आपको गिरफ्तार किया जाएगा। इस पर सेवानिवृत अरूणा सोलंकी ने कहा कि उनके द्वारा कोई पार्सल नही भेजा गया है तो शातिर प्रमोद कुमार ने अपने सीनियर ऑफिसर सुनील कुमार से बात कराई। इस पर सुनील कुमार ने उक्त जानकारी के साथ ही चार पत्र वाटसअप पर भेजे जिसमें सीबीआई अरेस्टिंग, वारंट, एसेज ऑर्डर एवं केस के बारे में जानकारी थी। फिर शातिर ने उनसे बैंक एकाउंट एवं प्रोपर्टी के बारे में जानकारी मांगते हुए आधार कार्ड नंबर आदि लिए। बाद में उन्हें किसी अनिल यादव से बात कराई।

अनिल यादव नाम के शख्स ने कहा कि उन्हें सब बातों से बचना है तो वे 51 लाख रूपए आर्मी डिमाउंड के नाम पर ट्रांसफर करें। इसके बाद उसने ब्यूइल एसीकेस में 8 लाख मांगे। अन्य 28 अगस्त को अरेस्ट की धमकी दी गई। बदमाशों ने 3 एफडीएस में लीगल एक्शन के लिए 21 लाख की डिमाण्ड रखी। सेवानिवृत डॉक्टर अरूणा सोलंकी घबरा गई और उन्होंने अपनी एफडी तुड़वाकर उनके खातों में 21 लाख रूपए जमा करवाए। 3 सितंबर को बदमाशों ने उन्हें नो क्राइम बॉण्ड प्राप्त करने के लिए जिसके एवज में 5 लाख रूपए मांगे गए। तब डॉक्टर अरूणा ने यह सब करने से मना कर दिया। इस पर उन्होंने धमकाया कि वे देश-विदेश में कहीं भी यात्रा नहीं कर पाएंगी। इसलिए बॉण्ड भरना पड़ेगा, तब उन्होंने फिर 2 लाख रूपए उनके खातों में भेज दिए। कुल मिलाकर सेवानिवृत महिला डॉक्टर अरूणा सोलंकी से 87 लाख रूपए ऐंठ लिए गए। बाद में उन्हें ठगी का अहसास हुआ। इसी तरह दो दिन पहले महिला दंत चिकित्सक को डिजिटल अरेस्ट का शिकार बनाते हुए साइबर ठग ने छह लाख रूपए ऐंठ लिए।

इस बार व्यास डेंटल कॉलेज की डॉक्टर ऋमता माथुर साइबर लूटेरों की शिकार हुई है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार 20 सितंबर को शाम 04.15 बजे उनके वाटसएप्प नंबर पर वीडियो कॉल आया । जिसमें आदमी दिखाई दे रहा था जिसके पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी, उसने अपना नाम विजय खन्ना बताया एवं बोला कि आपके नाम का एक खाता कैनरा बैंक मुंम्बई में खोला गया। आपके खाते में अनाधिकृत रूप से पैसा आया है। फिर उन्होंने बोला आप, अस्पताल से सीधा घर पर चले जाओ किसी को इस बारे में बताना नहीं है। फिर उसने वाटसएप्प पर नरेश गोयल मनी लॉन्ड्रिंग केस के दस्तावेज की दो कॉपी भेजी। जिसमे लिखा था कुल 247 एटीएम कार्ड बरामद हुए है जो अलग-अलग कार्ड होल्डर के नाम के है एवं सीबीआई इसकी जांच कर रही है। यह जांच आकाश कुलकर्णी द्वारा निर्मित की गई है। उसके बाद उसने सर्विलांस रूल्स एंड रेगुलेशन का पीडिएफ भेजा ओर वाटसएप्प विडियों कॉल ऑन रखने का बोला व किसी से बात नहीं करने का बोला। यदि किसी से बात करना है तो वाटसएप्प कॉल ऑन करके बात करनी है। उसके बाद उसने बोला कि आप पूरी रात वीडियो कॉल ऑन करके हमारे सामने रेस्ट करोगी एवं बोला कि आपको 24 घंटे के लिए डिजिटल अरेस्ट पर रखा जा रहा है।

आरोपी द्वारा पूरी रात वीडियों कॉल ऑन रखा गया। 21 सितंबर की सुबह 8.55 मिनट पर वाटसएप्प नंबर पर वीडियो कॉल आया जिसने अपना नाम ऑफिसर विजय खन्ना बताया। फिर वह कॉल चलता रहा। फिर उसने वाटसएप्प पर डिजिटल कस्टडी का पीडिएफ भेजा। उसने बोला कि आप राहुल गुप्ता वेच नंबर एफ ए 263521 के नाम सिंकिग प्रायरटी इनवेस्टिकेशन के लिए एपलिकेशन लिखो। तब उनके कहे अनुसार एपलीकेशन लिखी तब उन्होंने एपलीकेश अप्रवुल का पीडिएफ भेजा। उसने सुप्रीम कोर्ट को सिक्रेट सुपरविजन एकाउंट के साथ एकाउंट जोड़ने का बोला तब उनके कहेनुसार एप्पलीकेशन लिखी।

-छह लाख भेजने को कहा

इस पर शातिर ने बाद में कहा कि तुरंत कैनरा बैंक में जाकर खाता नंबर बैंक आईसीआईसी बैंक आईएफएससी कोड पर 6 लाख रूप्ये भेजो। तब 06 लाख रूपए आरटीजीएस से किए थे। खाता धारक का नाम न्यु समा रोडवेज आया था। डाक्टर ने उसके खाते में 6 लाख रूपए भेज दिए।

डॉक्टर नम्रता माथुर के अनुसार आरोपी ने बोला कि आपके और भी किसी बैंक में खाता है। तब बोला मेरा एक खाता एसबीआई में है तब शातिर ने उस अकाउंट से 06 लाख रूपए दूसरे खाता संख्या पर भेजने को कहा। इस पर परिवादी को शक हो गया कि उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया है और साइबर ठगी की जा रही है। इसके बाद उन्होंने रुपए नहीं भेजे और पुलिस की शरण ली।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसमें ठगी करने के 4-5 तरीके होते हैं। जैसे, किसी कूरियर का नाम लेकर कि इसमें गलत सामान आया है। कुरियर में ड्रग्स है, जिसकी वजह से आप फंस जाएंगे। आपके बैंक खाते से इस तरह के ट्रांजैक्शन हुए हैं जो फाइनेंशियल फ्रॉड रिलेटेड हैं। मनी लॉन्ड्रिंग, एनडीपीएस का भय दिखाकर अधिकतर उन लोगों को फंसाया जाता है, जो पढ़े-लिखे और कानून के जानकार होते हैं। ऐसे लोगों को डराकर उनसे डिजिटल माध्यम से फिरौती मांगी जाती है। अगर उनके खातों में पैसे नहीं हैं तो उनको लोन दिलवाया जाता है। कई बार उनके पास लोन लेने वाले एप्स नहीं होते हैं तो उन एप्स को भी डाउनलोड कराया जाता है। कई बार दो से तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा जाता है। लोगों को चाहिए वे बेपरवाह ना रहे। किसी भी अज्ञात का फोन अटेण्ड करते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। किसी भी प्रकार का शक होने पर पुलिस को तुरंत सूचना देनी चाहिए।

-मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर

मंडावा ठाकुर अंगद देव के सार्थक प्रयासों से श्रवण सिंह की रोमानिया से भारत वापसी हुई

- **ठाकुर अंगद देव ने रोमानिया में भारतीय दूतावास में राजनयिक वीरेन्द्र और रोमानिया की संसद में भारतीय मूल के सांसद भवानी जोबोट से बात कर श्रवण सिंह की भारत वापसी कराई**
- **तोगावास (चूरू) का श्रवण सिंह पुत्र मदन सिंह जो कि रोमानिया में नौकरी के लिए गया था,छः माह से उसका कोई अता-पता नहीं था**

जयपुर। मंडावा ठाकुर अंगद देव के सार्थक और उच्चस्तरीय प्रयासों से तोगावास (चूरू) के श्रवण सिंह पुत्र मदन सिंह की रोमानिया से सकुशल घर वापसी हुई है। श्रवण के चाचा जो हर तरह से निराश होकर अपने भतीजे की सकुशल घर वापसी के लिए एक माह पहले मंडावा ठाकुर अंगददेव से मिले और उनको अपने परिवार के सदस्य अपने भतीजे श्रवण जो पिछले दो साल से रोमानिया में नौकरी के लिए गया था, उसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बताया कि पिछले छ: माह से उसका कोई अता-पता नहीं है और सरकार भी कोई मदद करने की स्तिथि में नहीं है क्योंकि उसका सभी से संपर्क नहीं हो पा रहा है वो रोमानिया में लापता हैं जो एक कंपनी में नौकरी करने गया था, कोई कारण वश वो कंपनी बंद हो गई और श्रवण और उसके साथियों को वापस वतन वापसी के लिए भेज दिया तो इनका वीजा खत्म हो गया और श्रवण का वहा पर पासपोर्ट खो गया। वह वहां पर छोटी उम्र होने और पराए देश में होने के कारण डर गया और उसी डर के कारण अपने आपको छुपाते रहा। ऐसे ही हालातों में छ: माह का समय बीत गया। इसी बीच यहां श्रवण के घर पर घरवालों ने सब जगह जाकर भी कोई उम्मीद नहीं दिख रही थी तो मंडावा के पास ही के गांव में श्रवण के परिजनों की रिश्तेदारी में ये बात पता चली तो उन्होंने श्रवण के परिजनों को ठाकुर अंगद देवजी से मिलवाया और अपने परिवार के लाडले के रोमानिया में लापता होने के बारे में बताया तो ठाकुर अंगददेव ने परिवारजनों को ढांढस बंधाते हुए आस्वश्त किया और उसी दिन से इस मुश्किल जिसके बारे में कोई अता-पता नहीं, मिशन की शुरुआत हुई।

ठाकुर अंगद देव जी ने अपने उच्चस्तरीय संबंधों से रोमानिया में भारतीय दूतावास में राजनयिक वीरेन्द्र को इस मामले से पूरी तरह से अवगत कराया और उनसे श्रवण को ढूंढने में मदद करने की बात की। इसी दौरान अपने और एक उच्चस्तरीय संबंध रोमानिया की संसद में भारतीय मूल के सांसद भवानी जोबोट से बात हुई। आखिरकार अंगद देवजी के अथक और उच्चस्तरीय प्रयासों का सार्थक परिणाम श्रवण को खोज निकाला। श्रवण जो छ: माह से लापता था। उसको ठाकुर अंगद देव और उनके साथ भारतीय दूतावास के वीरेंद्र और रोमानिया सांसद भवानी जोबॉट ने खोज निकाला। इस खबर से चिंतित परिवार जनों के चेहरे की चिंता बहुत हद तक दूर हुई।

ठाकुर अंगद देव के कहने पर भारतीय दूतावास ने और भारतीय मूल के सांसद भवानी रोबॉट ने श्रवण का जो ना बोलने की स्थिति में था ना चलने की स्थिति में था का वहां पर उपचार करवाया और फिर उसके सारे डॉक्यूमेंट जो खो गए थे उनको वापस बनवाए और श्रवण को भारत वापसी करवाई। आखिरकार ठाकुर अंगददेव जी के एक माह के सघन प्रयासों से श्रवण की भारत वापसी हुई।

गांधीसागर झील को स्वच्छ एवं अतिक्रमणमुक्त कर सौंदर्यीकरण हेतु एनजीटी में याचिका दायर

भीलवाड़ा, (निसं)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल सेन्ट्रल जोन भोपाल के न्यायिक सदस्य शिवकुमार सिंह व एक्सपर्ट मेम्बर डॉ. अफरोज अहमद की बैंच ने भीलवाड़ा निवासी पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू की अधिवक्ता लोकेंद्र सिंह कच्छावा के मार्फत प्राचीन गांधीसागर झील को स्वच्छ एवं अतिक्रमणमुक्त कर सौंदर्यीकरण हेतु दायर की गई याचिका दर्ज करते हुए स्थानीय निकाय विभाग के प्रमुख सचिव, प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव, भीलवाड़ा जिला कलेक्टर एवं नगर परिषद आयुक्त को नोटिस जारी कर 11 नवंबर से पूर्व जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता पर्यावरणविद् जाजू ने बताया कि गांधीसागर झील में जा रहे गंदे पानी के नालों को रोकने, अतिक्रमण हटाने एवं झील के सौंदर्यीकरण हेतु पूर्व में भी याचिका नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में दर्ज कराई थी जिसमें नगर परिषद भीलवाड़ा द्वारा 6 माह में गंदे पानी के नालों को झील में जाने से रोकने व तालाब का सौंदर्यीकरण करने का आश्वासन दिया था जो 10 साल बीत जाने के बाद भी नहीं हुए। जिसके चलते जाजू को फिर से एनजीटी में गुहार के लिए मजबूर होना पड़ा। एनजीटी ने जिला कलेक्टर भीलवाड़ा एवं प्रदूषण नियंत्रण मंडल से संयुक्त कमेटी बनाकर गांधीसनगर झील की वास्तविक स्थिति की 6 सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी आदेश दिए। जाजू ने बताया कि गांधीसागर तालाब के विकास पर अब तक लगभग 8 से 10 करोड़ रूपया खर्च होने के बावजूद इसका विकास के बजाय विनाश ही हुआ है। जाजू ने याचिका में गंदे पानी के नालों को रोकने, झील की सफाई करने, ईटीपी प्लांट लगाने, झील का सीमांकन कराने, अतिक्रमण हटाकर सौंदर्यीकरण करने, एनवायरनमेंट कंपनसेशन वसूल करते हुए उसे गांधीसागर झील की बेहतरी के लिए खर्च करने, नौका विहार शुरू करवाकर इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर भीलवाड़ा वासियों को सौगात देने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि नगर परिषद द्वारा तालाब की भूमि का पेट्रोल पंप के लिए अवैध रूप से पूर्व में बेचान किया था उसे भी जाजू ने 18 साल तक प्रयास कर न्यायालय में याचिका दायर कर निरस्त करवाया था। गांधी सागर तालाब को तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने देखकर सबसे गंदा तालाब बताकर नाराजगी व्यक्त की थी। वहीं भीलवाड़ा में पिछले 15 वर्षों में जो भी जिला कलेक्टर रहे उन्होंने गांधी सागर तालाब की गंदगी साफ कर परिषद को सौंदर्यकरण के लिए निर्देश दिए, बावजूद इसके गांधी सागर तालाब की स्थिति बजाये सुधरने की बिगड़ी है।

राशिफल शुक्रवार 27 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, पुष्य नक्षत्र रात्रि 1:21 तक, शिव योग रात्रि 11:33 तक, विष्टि करण दिन 1:21 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-वृष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा दिन 1:21 तक है। आज एकादशी का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:51 तक, लाभ-अमृत 7:51 से 10:49 तक, शुभ 12:18 से 1:47 तक, चर 4:45 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:14

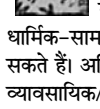

मेष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

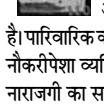

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

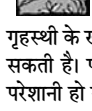

धनु

घर-परिवार में कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृष

परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मकर

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे।

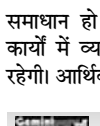

मिथुन

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

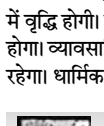

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

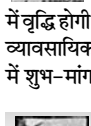

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

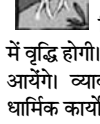

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुविधाएं बढ़ेगी।

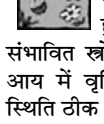

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

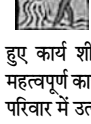

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।